

उत्पादन-लकिड प्रोत्साहन योजना का वसितार

प्रलिस के लयि:

उत्पादन-लकिड प्रोत्साहन योजना, सनराइजिगि उद्योग/सेक्टर

मेन्स के लयि:

उत्पादन-लकिड प्रोत्साहन योजना का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

सरकार द्वारा घरेलू वनरिमाण को बढ़ावा देने के लयि शुरू की गई 'उत्पादन-लकिड प्रोत्साहन' (Production-Linked Incentive-PLI) योजना का वसितार शीघ्र ही आठ और अन्य कषेत्रों में कयि जाएगा ।

प्रमुख बडि:

- PLI एक आगत उन्मुख (**output-oriented**) योजना है जसिमें नरिमाता/उत्पादक यदिकिसी सामान का उत्पादन करता है तो उसे केवल प्रोत्साहन (Incentives) राशिका भुगतान कयि जाएगा ।
- इस योजना के अंतर्गत पाँच से सात वर्षों के लयि नकद प्रोत्साहन राशि दी जाएगी जसिमें सभी उभरते हुए (Sunrise) महत्त्वपूर्ण कषेत्रों को शामिल कयि जाना प्रस्तावति है ।
 - इन वनरिमाण कषेत्रों में ऑटोमोबाइल, नेटवर्कगि उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, उन्नत रसायन वजिज्ञान और सोलर पॉवर ससिस्टम शामिल हो सकते हैं ।

आवश्यकता:

- सनराइजि सेक्टर उभरते हुए कषेत्र हैं लेकनि उन्हें प्रारंभिक चरण में सहायता/समर्थन की आवश्यकता हो सकती है ।
- PLI योजना के तहत नरियात आधार (Export Base) को वभिन्न कषेत्रों में वकिसति कयि जा सकता है ।
- आपूर्ति शृंखलाओं में वविधीकरण (Diversification in Supply Chains) के लयि वशिव में लगातार मांग बढ़ रही है जसिमें भारत एक प्रमुख प्रतभागी बन सकता है ।
- भारत को एक वनरिमाण केंद्र बनाने के दृषटकिेण से सरकार द्वारा मोबाइल फोन (इलेक्ट्रॉनिक वनरिमाण) के लयि PLI योजना शुरू की गई जसिका वसितार फार्मा उत्पादों (Pharma Products) और चकितिसा उपकरण (Medical Equipment) के कषेत्र तक कयि गया ।

बड़े स्तर पर इलेक्ट्रॉनिकस वनरिमाण के लयि PLI योजना:

- यह योजना इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अर्द्धचालक पैकेजिगि सहति घरेलू वनरिमाण कषेत्र को बढ़ावा देने तथा इलेक्ट्रॉनिक मूल्य शृंखला में बड़े नविश को आकर्षति करने के लयि वतितीय प्रोत्साहन/इंसेंटिव का प्रस्ताव प्रस्तुत करती है ।
- योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिकस वनरिमाण कंपनयिों को अगले 5 वर्षों की अवधि के लयि भारत में नरिमति वसतुओं की बढ़ती मांग (आधार वर्ष) के आधार पर 4 से 6% का इंसेंटिव प्राप्त होगा ।
- यह योजना केवल लक्षति कषेत्रों जैसे-मोबाइल फोन और नरिदषिट इलेक्ट्रॉनिक घटकों पर लागू होगी ।
- सरकार का अनुमान है किवर्ष 2025 तक PLI योजना के तहत मोबाइल फोन के लयि घरेलू मूल्य वृद्धि 20-25% के मौजूदा स्तर से बढ़कर 35-40% हो जाएगी जसिसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से 8 लाख अतरिकित नौकरयिों के लयि अवसर पैदा होंगे ।
- देश में मोबाइल फोन का उत्पादन पछिले चार वर्षों में लगभग आठ गुना तक बढ़ा है और इस उद्योग से प्राप्त आय वर्ष 2014-15 के 18,900 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2018-19 में 1.7 लाख करोड़ रुपए हो गई है ।

स्रोत: द हट्टि

